कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अप्रैल-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अप्रैल-2025

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

April-2025

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	01.04.2025 मंगलवार	रसायनशास्त्र विभाग	अतिथि व्याख्यान आयोजित	1
2	03.04.2025 वृहस्पतिवार	बी.एड. विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	2
3	04.04.2025 शुक्रवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	विभागीय ऑडिट के साथ ही व्याख्यान	3
4	09.04.2025 बुधवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	बी.ए. भाग तीन (षष्ठम सेमेस्टर) के विद्यार्थियों द्वारा 'पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन' प्रस्तुत	4–5
5	09.04.2025 बुधवार	बी.एड. विभाग	बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन	5–6
6	11.04.2025 शुक्रवार	बी.एड. विभाग	बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु डायट भ्रमण का आयोजन	6
7	12.04.2025 शनिवार	वाणिज्य संकाय	विदाई एवं स्वागत समारोह	7
8	12.04.2025 शनिवार	बी.एड. विभाग	अतिथि व्याख्यान का आयोजन	8
9	22.04.2025 मंगलवार	बी.एड. विभाग	पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम	9
10	26.04.2025 शनिवार	बी.एड. विभाग	अतिथि व्याख्यान का आयोजन	10

रसायनशास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित

दिनांक 01.04.2025 को महाविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग द्वारा'' **पैलेडियम उत्प्रेरित संयुग्मन अभिक्रियाओं का औषधि रसायन में उपयोग''** विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित हुआ। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ0 गिरिजेश कुमार वर्मा सहायक आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग, दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। आपने बताया कि पैलेडियम आधारित उत्प्रेरक विभिन्न प्रकार की कार्बनिक अभिक्रियाओं में शामिल होते हैं। जैसे कि एल्केलीकरण , एरिलीकरण, चक्रीकरण, हाइड्रोजनीकरण, आक्सीकरण, क्रॉस युग्मन, रेडिकल प्रतिक्रियाएं आदि। इसका उपयोग आभूषण, दन्त चिकित्सा, घड़ी बनाने, रक्त शर्करा स्ट्रिप्स, विमान स्पार्क प्लग, शल्य चिकित्सा उपकरणों और विघुत सम्पर्कों में भी किया जाता है। इसके अलावा इसका उपयोग कीमोथैरेपी में एवं होम्योपैथी दवा के रूप में सूजन को कम करने के लिए भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो0 (डॉ0) नित्यानंद श्रीवास्तव ने बताया कि पैलेडियम एक चमकदार धातु है, जिसका उपयोग कई इलेक्ट्रानिक और औद्योगिक उत्पादों के अतिरिक्त औषधि रसायन के निर्माण में किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन रसायनशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ0 प्रतिमा सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 रमाशंकर सिंह यादव ने किया।

April-2025

बी.एड. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 03.04.2025 को महाविद्यालय बी.एड विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. उमेश प्रसाद यादव, विभागाध्यक्ष, बी.एड्. विभाग, जवाहर लाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय महराजगंज थे। उन्होने 'शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूक्ष्म–शिक्षण की पाठ योजना में उपादेयता' पर अपना वक्तव्य दिया।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म शिक्षण की शुरुआत 1960 के दशक में, विशेषकर 1963 में, ड्वाइट एलन और उनके सहयोगियों द्वारा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हुई थी। उन्होंने विभिन्न शिक्षण कौशलों, उनके घटकों तथा उनकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिना इनका व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए कोई भी कुशल अध्यापक नहीं बन सकता है। **इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के द्वारा विभाग का अकादमिक अंकेक्षण किया गया,** जिसके अन्तर्गत उन्होंने बी.एड. के प्रशिक्षणर्थियों से प्रतिपुष्टि ली। इसी क्रम में उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों एवं भौतिक संसाधनों का निरीक्षण किया तथा महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने बी.एड. की पुरातन छात्रा डॉ.पूजा गुप्ता से भी प्रतिपुष्टि प्राप्त की।

April

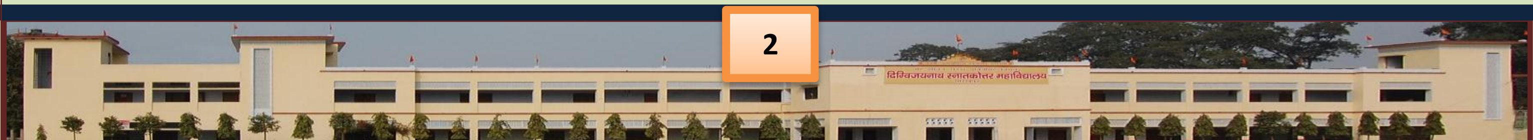

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग का विभागीय ऑडिट के साथ ही व्याख्यान

दिनांक 4 मार्च 2025 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन में विभागीय लेखा परीक्षण विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रो. अभय कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य, बुद्ध विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नौगढ़, सिद्धार्थनगर थे। इसके साथ ही बी.ए. भाग तीन के विद्यार्थियों का छायाचित्रण एवं विदाई समारोह का भी आयोजन हुआ। उक्त अवसर पर प्रो. अभय कुमार श्रीवास्तव ने रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की वार्षिक कार्य योजना, शिक्षण कार्य, प्रयोगशाला, कार्यशाला तथा विभिन्न प्रकार के प्रतिदर्शो का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय निश्चित ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं नए प्रतिमान स्थापित करेगा। विद्यार्थियों से अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि हमारा राष्ट्र विभिन्न प्रकार के बाह्य और आंतरिक सुरक्षा खतरों से जूझ रहा है। ऐसे में इस विषय के विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह आम जनता को सुरक्षा के विभिन्न प्रकार के खतरों से अवगत कराकर उन्हें सजग एवं सचेत करते हुए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका का निवर्हन करें।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओमप्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को आगामी जीवन हेतु शुभकामनाएं दी।

April 2025

स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विद्यार्थियों द्वारा 'पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन' प्रस्तुत

दिनांक 09.04.2025 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में बी.ए. भाग तीन (षष्ठम सेमेस्टर) के विद्यार्थियों द्वारा 'पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन' प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुतीकरण में कुल 58 विद्यार्थियों ने सहभाग किया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अंशुमान सिंह, सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटपार रानी, देवरिया ने विद्यार्थियों के प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने आतंकवाद, नक्सलवाद, पूर्वोत्तर में उग्रवाद तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर बहुत ही प्रभावशाली तथा ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण किया। इससे विद्यार्थियों में न केवल विषय की सूक्ष्म ज्ञान होता है अपितु उनके व्यक्तित्व विकास में भी बहुत ही सहायक होता है।

कार्यक्रम में दूसरे विशेषज्ञ के रूप में शामिल डॉ. जितेंद्र कुमार वर्मा, सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया ने विद्यार्थियों के प्रस्तुतीकरण को सराहा तथा कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है इससे विद्यार्थी में भाषण, बातचीत तथा तथ्यों के विश्लेषण पर उनके प्रस्तुतीकरण की क्षमता का विकास होता है।

April

इसी कार्यक्रम के दूसरे सत्र में महाविद्यालय के संस्थागत नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित नवाचार प्रदर्शनी 2025 में प्रतिभाग किए हुए विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण भी किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर दीपक विश्वकर्मा एवं समूह बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्राप्त किया जिन्होंने ''एयर डिफेंस सिस्टम'' पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया था। द्वितीय स्थान बी.सी.ए. षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के समूह अभय साहनी द्वारा प्राप्त किया गया। जिन्होंने ''मोशन डिटेक्शन कैमरा फॉर सिक्योरिटी'' पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया था, वहीं तृतीय स्थान बी. एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के समूह प्रफुल्ल त्रिपाठी को प्राप्त हुआ जिन्होंने ''फायर कंट्रोल सिस्टम'' पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि ''पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन'' तथा ''नवाचार प्रदर्शनी'' जैसे कार्यक्रम किसी भी महाविद्यालय की गुणवत्ता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को नए तरीके से अधिगम हेतु प्रेरित करता है।

बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

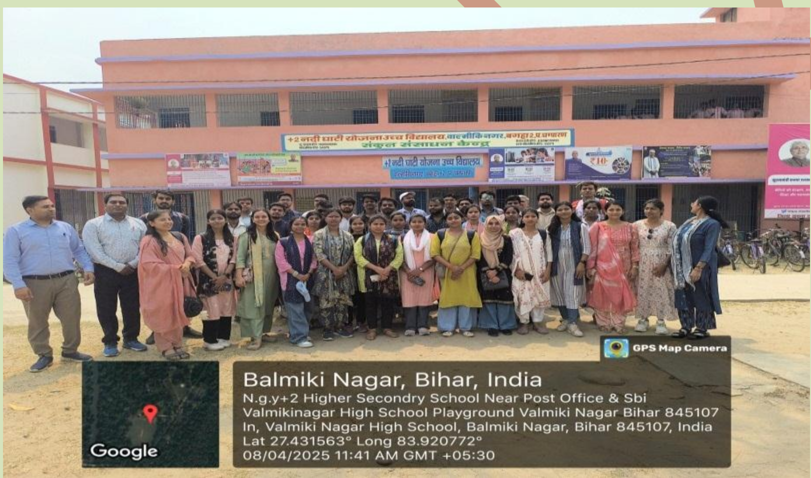

दिनांक 09.04.2025 को महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बी०एड० द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन दिनांक 08.04.2025 को किया गया। प्रशिक्षुओं ने सर्वप्रथम बगहा पश्चिमी चंपारण में स्थित प्राचीन मदनपुर दुर्गा माता के प्राचीन मन्दिर का दर्शन किया। उसके बाद प्रशिक्षुओं को बिहार में स्थित वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कराया गया। सरस्वती यात्रा के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने शैक्षिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं

भौगोलिक ज्ञान, स्थापत्य कला एवं उसके महत्व की जानकारी प्राप्त की।

तत्पश्चात प्रशिक्षुओं ने श्री जटाशंकर मंदिर एवं कौलेश्वर धाम का दर्शन कर वहां की भवन निर्माण कला एवं उसके इतिहास की जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात प्रशिक्षुओं ने इको गार्डन का भ्रमण किया एवं कौलेश्वर झूला के निर्माण तकनीकी का अवलोकन किया।

बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु डायट भ्रमण का आयोजन

दिनांक 11.04.2025 को महाविद्यालय के बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर के शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

भ्रमण के द्वारा प्रशिक्षुओं ने डायट की कार्यप्रणाली, संरचना, एवं उसके उद्देश्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही प्रशिक्षुओं ने डी.एल.एड. पाठ्यक्रम, सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण हेतु टी.एल.एम.निर्माण, माड्यूल बनाना, शिक्षण शोध कार्य एवं नवाचार इत्यादि डायट के द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य हैं। डायट में कुल सात विभाग होते हैं सेवापूर्व विभाग (शिक्षण प्रशिक्षण विभाग), सेवारत विभाग (शिक्षक प्रशिक्षण विभाग), शैक्षिक तकनीक विभाग, कार्यानुभव विभाग, जिला संसाधन इकाई विभाग (डी.आर.यू.), पाठ्यक्रम निर्माण विभाग एवं मूल्यांकन, और नियोजन एवं प्रबंधक विभाग।

वाणिज्य संकाय द्वारा विदाई एवं स्वागत समारोह

दिनांक 12.04.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के द्वारा विदाई एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बी.कॉम. प्रथम एवं बी.कॉम द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा बी. कॉम तृतीय वर्ष तथा एम.कॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थीयों द्वारा एम.कॉम अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति देकर सबको ताली बजाने पर मजबूर कर दिया।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में पठन–पाठन के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का होना आवश्यक है।

मिस्टर फ्रेशर अंकित मद्धेशिया और मिस फ्रेशर आराधना बी.कॉम प्रथम वर्ष एवं मिस्टर फेयरवेल आदर्श सिंह और मिस फेयरवेल अनीशा बी.कॉम तृतीय वर्ष एवं मिस्टर फ्रेशर सत्यव्रत विश्वकर्मा और मिस फ्रेशर दिव्यांशी एम.कॉम प्रथम वर्ष एवं मिस्टर फेयरवेल रमन शुक्ला और मिस फेयरवेल ग्रेसी मिश्रा एम.कॉम अंतिम वर्ष को चुना गया। आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ संजीव कुमार सिंह ने किया।

April 2025

बी.एड. विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 12.04.2025 को महाविद्यालय के बी.एड विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के पुरातन छात्र डॉ. अशोक कुमार चन्द्रा, नेचुरोपैथी चिकित्सक एवं योग प्रशिक्षक एवं निदेशक, हरिओम प्राकृतिक चिकित्सालय, गोरखपुर थे उन्होने 'प्राकृतिक चिकित्सा की उपादेयता' विषय पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि नेचुरोपैथी एक दवा रहित चिकित्सा प्रणाली है जो स्वस्थ जीवन शैली के द्वारा हमारे शरीर को निरोगी बनाने में मदद करती है। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली दोनों में अंतर है। हमारे शरीर का निर्माण पंचमहाभूतों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से हुआ है। जब तक इन तत्वों का संतुलन हमारे शरीर में रहता है तब तक हम स्वस्थ रहते हैं, इनमें थोड़ा भी असन्तुलन होते ही शरीर का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने लगता है और हम बीमार पड़ जाते हैं। **कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि ने प्रशिक्षुओं को** निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यावसायिक एवं वृत्तिक निर्देशन प्रदान किया। आपने डी.एन.वाई.एस. एवं बी.एन.वाई.एस. पाठ्यक्रम के महत्त्व तथा उसकी प्रवेश प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला।

April

बी.एड. विभाग में विश्व पृथ्वी दिवस

दिनांक 22.04.2025 को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में विश्व पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर पर पृथ्वी तथा उसके वातावरण के संरक्षण के सन्दर्भ में पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम शिक्षक–प्रशिक्षुओं को अपने ग्रह की रक्षा करने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने एवं हरित जीवन शैली को अपनाने के उद्देश्य से 'पृथ्वी दिवस पर्यावरण शपथ' दिलाई गई। उसके उपरान्त सभी प्रशिक्षुओं ने पृथ्वी दिवस 2025 की थीम–'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' पर स्लोगन/पोस्टर के माध्यम से अपने–अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षु तन्नू जायसवाल ने कहा कि हर दिन ही पृथ्वी दिवस है, और यदि हम सभी छोटे–छोटे प्रयास करें तो पृथ्वी के संरक्षण में उसका बड़ा प्रभाव दिखाई देगा। **कार्यक्रम के अन्त में विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि** पृथ्वी दिवस 2025 का थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' हम सभी को ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग करने का सन्देश देती है।

April 2025

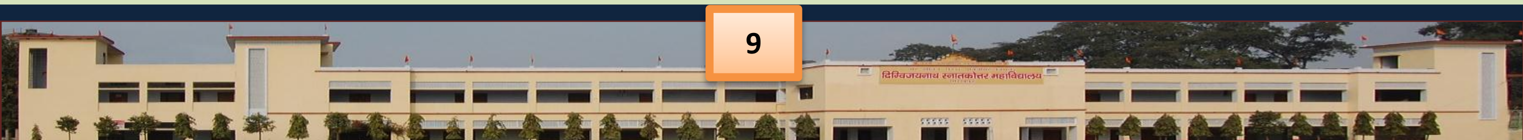

बी.एड. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 26.04.2025 को महाविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. (डॉ.) गीता सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष बी.एड. विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने 'प्रभावी शिक्षण में शिक्षण–कौशल की उपादेयता' विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

आपने कहा कि शिक्षण का कार्य प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित दोनों प्रकार के शिक्षक करते हैं, लेकिन प्रशिक्षित शिक्षक का शिक्षण–कार्य प्रभावी होता है क्योंकि उसके पास शिक्षण कौशल का व्यावहारिक ज्ञान होता है और वे उनका प्रयोग करने में दक्ष होते हैं। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में प्रभावी शिक्षण करने हेतु 'शिक्षण–अधिगम सामग्री' निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं के लिए किया गया। 'टी.एल.एम.' के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं के द्वारा विभिन्न विषयों पर मॉडल एवं चार्ट निर्मित कर उनकी प्रस्तुति की गई। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों में बढ़ती हुई आत्महत्या की प्रवृति को रोकने के लिए प्रशिक्षुओं द्वारा निर्मित 'एंटी सुसाइड फैन' को प्रथम स्थान, 'भारतीय शिक्षा प्रणाली वैदिक से आधुनिक' को द्वितीय स्थान तथा 'वायरलेस पावर ट्रांसमिशन' एवं 'विंड पावर प्लांट' को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षुओं द्वारा 'ऑनलाइन ऑफलाइन एजुकेशन', 'स्वच्छ भारत अभियान', 'हरित गृह प्रभाव', 'स्पड गन' एवं 'भारत के स्वास्तिक दर्शन' पर आधारित रचनात्मक एवं क्रियात्मक शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण किया गया।

April